हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 29 | अलीगढ़, बुधवार, 6 सितम्बर 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रूपये

मुख्यमंत्री योगी बोले, महिलाओं का विश्वास जीतने में सफल रही सरकार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पिछले 6 सालों के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार का दावा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज महिलाएं प्रदेश में कहीं भी बिना भय के अकेले यात्रा कर सकती हैं। हमारी सरकार आधी आबादी के विश्वास को जीतने में सफल रही। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। एनसीआरबी के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि प्रदेश में हर प्रकृति के अपराध में कमी आई है। 2022 में हम कानून व्यवस्था को आधार बनाकर चुनाव के मैदान के गए थे और यह बहुत बड़ी बात है कि कानून व्यवस्था के मामले पर कोई सरकार 2 तिहाई बहुमत के साथ रिपीट हो जाए। इसमें बड़ी भूमिका आधी आबादी ने निभाई, जिन्हें सुरक्षा का बेहतर वातावरण मिला। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों का परसेप्शन था कि यूपी का कुछ नहीं हो सकता, यूपी नहीं सुधर सकता, यूपी एक बीमारू राज्य है जो देश को बीमार कर रहा है। पिछले साढ़े 6 वर्षों में हमारी सरकार ने देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश के प्रति व्याप्त इस धारणा को बदलने में सफल रही। आज उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों में नकारात्मक सोच नहीं है। आज उत्तर प्रदेश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से संभव हो पाया, जिन्होंने एक प्रकाश पुंज के रूप में उत्तर प्रदेश को नई दृष्टि दी। योगी ने कहा कि 2014 के पहले भारत के बारे में दुनिया की धारणा बहुत नकारात्मक थी। दुनिया का कोई भी देश भारत को गंभीरता से नहीं लेता था। देश की बागडोर प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में आने के बाद भारत के प्रति दुनिया की धारणा बदली है। अब दुनिया भारत को सकारात्मक दृष्टि से देखती है और गंभीरता से लेती है। आज दुनिया में जब कोई संकट आता है तो भारत और प्रधानमंत्री मोदी संकट मोचक के रूप में दुनिया को संकट से निकालने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश के अंदर एक विश्वास का माहौल उत्पन्न हुआ है कि देश का राजनीतिक नेतृत्व जो फैसला लेगा वो जनता और देश के हित में होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देश के लोगों में बाह्य, आंतरिक और आर्थिक सुरक्षा के मामले में एक विश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज कोई भी दुश्मन भारत की तरफ आज टेढ़ी नजरों से नहीं देख सकता है, क्योंकि उसको मालूम है कि अगर हम घुसपैठ करेंगे तो भारत के बहादुर जवान पूरी मुस्तैदी के साथ उसका जवाब देंगे। आज भारत के दुश्मनों को पता है कि भारत की सीमा में अतिक्रमण करने के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं।

आज पीएम मोदी से दिल्ली में मुलाकात करेंगे योगी आदित्यनाथ, राम मंदिर के लोकार्पण के लिए देंगे निमंत्रण

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार (5 सितंबर) को दिल्ली जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के हवाले से खबर है कि योगी आदित्यनाथ पीएम मोदी को अयोध्या राम मंदिर में लोकार्पण और पूजा के लिए निमंत्रण देंगे। योगी आदित्यनाथ मुलाकात के दौरान राम मंदिर से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा कर सकते हैं। राम मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों ही होनी है। राम मंदिर का निमार्ण कार्य बड़े जोरो–शोरों से चल रहा है। बता दें कि राम मंदिर का उद्घाटन अगले साल 2024 में जनवरी के महीने में होना है और इसके लिए बड़े स्तर पर तैयारियां जारी हैं। 14 जनवरी मकर संक्रांति के बाद राम मंदिर में भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पूजा अर्चना की संभावना है। ट्रस्ट की ओर से इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निमंत्रण पत्र भेजा गया है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 21 से 24 जनवरी के बीच मंदिर का उद्घाटन किया जा सकता है, इसके लिए तारीखें भेज दी गई हैं और पीएम मोदी अपने कार्यक्रम के हिसाब से ही तिथि का निर्धारण करेंगे। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम एक हफ्ते पहले से ही शुरू हो जाएगा। इसके लिए देशभर के बड़े मंदिरों में पूजा–अर्चना की जाएगी। ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम से जुड़ सकें, इसके लिए जगह–जगह एलईडी लगाए जाएंगे जिन पर लाइव प्रसारण किया जाएगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान घर–घर लड्डू बांटे जाएंगे। ट्रस्ट के मुताबिक इस कार्यक्रम में देशभर से साधु संतों को निमंत्रण दिया गया है, इस दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों के पहुंचने की संभावना है। साल 2024 होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले देश में राजनीतिक हलचल तेज होने लगी है। योगी आदित्यनाथ की पीएम मोदी के साथ बैठक काफी अहम मानी जा रही है। वहीं इस दौरान यूपी सरकार के मंत्री एके शर्मा भी इस बैठक में शामिल होंगे।

एक देश-एक चुनावः अधीर रंजन ने कमेटी का सदस्य बनने से किया इनकार, जयराम रमेश ने बताई वजह

नयी दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार के'एक राष्ट्र एक चुनावश्के विचार को खारिज करते हुए इसे राज्यों पर हमला करार दिया और कहा कि यह देश की संघीय प्रणाली के विरुद्ध है। इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा,''जिसे 'एक राष्ट्र एक चुनावश कहा जा रहा है उस पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन एक अनुष्ठानिक अभ्यास है और इस काम की प्रक्रिया को सामने लाने का समय सन्देह पैदा करता है। इस संदर्भ में अपनाई गई शर्तें और सिफारिशें मनमानी से निर्धारित की गई हैं। समिति की संरचना भी अपने हिसाब से तय हुई हैं और इसी वजह से लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कल रात बहुत ही उचित तरीके से इस समिति का हिस्सा बनने से इनकार किया है। रमेश ने यह बात चौधरी की उस बयान के संदर्भ में कही जिसमें चौधरी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनावश को लेकर गठित केंद्र की आठ सदस्यीय समिति का हिस्सा बनने के निमंत्रण को अस्वीकार करते हुए उसके इस कदम को देश के साथ धोखा बताया है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह को इस संदर्भ में शनिवार को लिखे अपने एक पत्र में कहा, ''मुझे उस समिति में काम करने से इनकार करने में कोई झिझक नहीं है, जिसकी शर्तें इसके निष्कर्षों की गारंटी के लिए तैयार की गई हैं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से एक धोखा है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 'एक राष्ट्र एक चुनावश के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है जिसमें गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद को सदस्य बनाया गया है। समिति में राज्यसभा में विपक्ष के मौजूदा नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को शामिल नहीं किया है और इस वजह से केंद्र सरकार कांग्रेस के निशाने पर है।

मप्र में सूखे के आसार, शिवराज पहुंचे महाकाल

उज्जैन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बीते माह अगस्त में बारिश के दौर पर लगे ब्रेक के कारण सूखे के हालात बनने लगे हैं। खेती–किसानी प्रभावित हो रही है तो आने वाले समय के संकट की आहट भी सुनाई देने लगी है। लिहाजा देवताओं को प्रसन्न करने का दौर भी शुरू हो गया है। राज्य में अच्छी बारिश हो, इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं उज्जैन में बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे और विशेष पूजा अर्चना की। राज्य में हुई बारिश की स्थिति पर नजर दौड़ाई जाए तो एक बात साफ हो जाती है कि अगस्त माह में राज्य में बहुत कम बारिश हुई है। इस अल्प वर्षा के चलते फसलें भी प्रभावित हो रही हैं और खरीफ की फसलों पर संकट गहराने लगा है। मुख्यमंत्री चौहान ने रविवार की रात को तमाम अधिकारियों के साथ बैठक की और वर्तमान हालात की समीक्षा की और निर्देश दिए कि किसानों की जरूरत को ध्यान में रखकर आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को उज्जैन पहुंचे और उन्होंने यहां उत्तम जलवृष्टि की कामना के लिए महारुद्र अनुष्ठान किया। चौहान ने यहां भगवान महाकालेश्वर का पंचामृत पूजन किया और यहां 66 ब्राह्मण के माध्यम से महारुद्र अनुष्ठान के 1331 रूद्र पाठ किए जा रहे हैं। वर्तमान में भादो मास चल रहा है। श्रावण–भादो मास में महारुद्र पाठ का

अधिक महत्व है। इसी के तहत शिवराज सिंह चौहान ने यह विशेष अनुष्ठान किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने महाकाल बाबा के दरबार में पूजन करने के बाद संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा, ष्उन्होंने बाबा महाकाल के दरबार में विशेष पूजा अर्चना कर प्रार्थना की है कि अल्प वर्षा के कारण लगभग पूरा सूखा हो गया है और इसलिए सुखे की स्थिति मध्य प्रदेश में पैदा हो रही है और फसलों पर संकट छाया है, बाबा कृपा की वर्षा करें, अच्छी वर्षा हो जाए, फसलें बच जाए और किसानों का भी कल्याण हो। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेशवासियों से भी अपील की है कि वह जिस गांव में और शहर में हैं और वहां की जो परंपराएं हैं वहां भी अपनी परंपराओं का निर्वहन करें, सभी अच्छी वर्षा के लिए प्रार्थना करें, प्रार्थना सुनी जाती है, प्रार्थना में असर होता है। सच्चे दिल से प्रार्थना की जाय तो भगवान कृपा की वर्षा करते हैं। सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए चौहान ने कहा, आमजन और किसानों की सेवा करने में किसी तरह की कसर नहीं छोडी जाएगी, वर्तमान में जो स्थितियां हैं, उसकी समीक्षा के लिए बीते रोज अधिकारियों के साथ बैठक की है और यह भी निर्देश दिए हैं कि बांधों से पानी छोड़कर जो फसलें बचाई जा सकती हैं, उन बांधों से पानी छोड़ा जाए। वहीं वर्षा नहीं होने के कारण बिजली का संकट भी पैदा हो गया है। सावन भादौ में इतनी बिजली की जरूरत नहीं पड़ती थी क्योंकि ट्यूबवेल नहीं चलते थे, मोटर नहीं चलता था, किसानों को पानी आसानी से मिलता रहता था। पानी की बिजली भी प्रचुर मात्रा में बनती थी। इस समय आठ हजार मेगावाट की जरूरत पड़ती थी लेकिन इस बार 15 हजार मेगावाट बिजली की मांग है, इसलिए मांग और आपूर्ति में अंतर पैदा हो गया। इसलिए कुछ जगह किसानों को कम बिजली मिल पा रही है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जहां–जहां से बिजली मिल सकती है, वहां से बिजली ली जाए।

सनातन धर्म के उन्मूलन का आह्वान करने के गंभीर नतीजे सामने आ सकते हैं : विहिप

नयी दिल्ली(एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन की 'सनातन धर्म के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर उनपर करारा प्रहार करते हुए कहा कि वह ऐसे बयानों से बचे अन्यथा इसके 'गंभीर नतीजे हो सकते हैं। विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बयान जारी कर द्रमुक नीत तमिलनाडु सरकार से स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार उनकी टिप्पणी का समर्थन करती है तो केंद्र से अनुरोध है कि वहां के लोगों के धार्मिक अधिकार की 'रक्षा की जाए। विहिप ने यह प्रतिक्रिया द्रमुक की युवा इकाई के सचिव एवं राज्य के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन के उस बयान पर दी जिसमें उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म 'समानता एवं सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसका उन्मूलन किया जाना चाहिए। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कथित तौर पर कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू बुखार से भी की थी। उदयनिधि स्टालिन के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुमार ने कहा, ''मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की भाषा और भावना दोनों से हतप्रभ हूं। जिस तरह से वह धमकी दे रहे हैं, वह अपनी ताकत पर भी विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इस तरह की धमकी के नतीजे भी गंभीर हो सकते हैं। कुमार ने कहा, '' जो सनातन धर्म को नष्ट करने की बात कर रहे हैं उनका स्वयं विनाश हो जाएगा। विहिप नेता ने कहा कि सनातन धर्म ने 'मुस्लिमों, मिशनरियों और अंग्रेजो से चुनौती का सामना किया और इसके बावजूद जीता। उन्होंने कहा, ''कुछ नेता 'सनातन धर्म को खत्म करने के लिए दिन में सपने देख रहे हैं जिसे मुगल, मिशनरी और अंग्रेज तक नष्ट नहीं कर सके। मुगल और अंग्रेजों का शासन समाप्त हो गया। कुमार ने उदयनिधि स्टालिन से 'सनातन धर्म के खिलाफ ऐसे बयान देने से बचने को कहा। उन्होंने सवाल किया कि क्या द्रमुक नेता की टिप्पणी तमिलनाडु सरकार का रुख है। विहिप नेता कहा, ''अगर ऐसा है तो हम केंद्र सरकार से कहना चाहेंगे कि संविधान के अनुच्छेद–25 और 26 के तहत सभी को अपने धर्म का अनुपालन करने का अधिकार है। इसकी रक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। कुमार ने कहा, ''सनातन धर्म का उन्मूलन करने के आह्वान का अभिप्राय है कि तमिलनाडु सरकार कानून के पथ से हट गई है और संवैधानिक जिम्मेदारियों का निवर्हन नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में केंद्र को विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

पाकिस्तान जिंदाबाद का नारे लगाने वाले को भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा का हलफनामा पेश करना चाहिए : केंद्र

नयी दिल्ली केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता मोहम्मद अकबर लोन, जिन्होंने जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा में ष्पाकिस्तान जिंदाबादष के नारे लगाए थे, को एक हलफनामा पेश करना चाहिए कि वह भारत के संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं और केंद्र शासित प्रदेश में पाकिस्तान द्वारा प्रेरित आतंकवाद और अलगाववाद का विरोध करते हैं।

जी20 के जुनून में भाजपा ने मणिपुर को भुलाया : कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि जी20 के जुनून में सरकार ने मणिपुर को भुला दिया है। एक्स पर एक लंबी पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा प्रधान मंत्री और उनके ढोल बजाने वाले जी20 के प्रति आसक्त हैं, लेकिन 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के चार महीने बाद, मणिपुर को मोदी सरकार द्वारा भुला दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया है कि मणिपुरी समाज आज पहले से कहीं अधिक विभाजित है। केंद्रीय गृह मंत्री हिंसा को समाप्त करने और हथियारों और गोला–बारूद की बरामदगी सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। इसके बजाय, कई और सशस्त्र समूह संघर्ष में शामिल हो गए हैं। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा करने, या सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने, या किसी विश्वसनीय शांति प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया। क्या उन्होंने कैबिनेट में मणिपुर के अपने सहयोगी से भी मुलाकात की है?

पिछले चार महीनों में, दुनिया ने

देखा है कि कैसे प्रधान मंत्री ने सबसे खराब संकट के दौरान मणिपुर को विफल कर दिया है। 3 मई को मणिपुर में हुई हिंसक जातीय झड़पों के बाद से सैकड़ों लोग मारे गए हैं जबकि हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस ने मणिपुर में स्थिति को नियंत्रित करने में बुरी तरह विफल रहने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की आलोचना की है और मुख्यमंत्री को तत्काल हटाने की भी मांग की है। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर सम्मेलन शनिवार से होने वाला है।

चंद्रयान सफलतापूर्वक लैंड कर गया, लेकिन 'राहुलयान न कभी लॉन्च होगा और न ही लैंड...राहुल गांधी पर राजनाथ सिंह की चुटकी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर चुटकी लेते हुए कहा कि 'चंद्रयान सफलतापूर्वक लैंड कर गया लेकिन 'राहुलयान न कभी प्रक्षेपित हुआ और न ही कभी लैंड हुआ। राजनाथ सिंह ने राजस्थान के जैसलमेर जिले से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन यात्रा के तीसरे चरण को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि 'चंद्रयानश तो सफलतापूर्व लैंड हो गया लेकिन 'राहुलयानश न कभी लॉन्च हो पाएगा और न ही कभी लैंड हो पाएगा। साथ ही राजनाथ सिंह ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने भी कभी शाइनिंग इंडिया का नारा दिया था, हम हार गए...आपने इंडिया गठबधंन बनाया है, आपकी हार निश्चित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन की हार निश्चित है, द्रमुक ने सनातन धर्म को ठेस पहुंचाई है, कांग्रेस चुप है, उसके नेता यह क्यों नहीं बताते कि सनातन धर्म के बारे में उनकी सोच क्या है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन में जितने लोग शामिल हैं, सबसे मैं कहना चाहूंगा कि सनातन धर्म के अपमान के लिए क्षमा मांगनी चाहिए...नहीं तो यह देश किसी भी सूरत में उन्हें माफ नहीं करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने आम आदमी को सशक्त बनाने का काम किया है। गरीब कल्याण हमारा नारा नहीं, हमारा मिशन है। उन्होंने कहा कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, भ्रष्टाचार के मामले में राजस्थान नंबर एक पर पहुंच गया है, कांग्रेस ने बना दी राजस्थान की ये हालत। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस राजस्थान में हिंदू–मुस्लिम, पिछड़ा के नाम पर समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। 'परिवर्तन यात्रा 18 दिन में 2,574 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए नागौर, अजमेर और जोधपुर संभाग के 51 निर्वाचन क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। भाजपा की जोधपुर इकाई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यात्रा का समापन 21 सितंबर को जोधपुर में होगा।

सम्पादकीय

जी-20 भारत की शान और दिल्ली की पहचान

जैसा कि नाम से जाहिर है कि जी–20 अर्थात ग्रुप ऑफ 20, सब जानते हैं कि भारत दुनिया के एक बड़े ग्रुप की एक ऐतिहासिक बैठक का आयोजन अपने घर में करने जा रहा है। यह आयोजन दिल्ली में 8 से 10 सितम्बर के बीच होगा। हालांकि बड़ी बात यह है कि दुनिया के सबसे बड़े मुद्दे दिग्गजों की सबसे बड़ी बैठक में 9 और 10 सितम्बर को ही चर्चा के लिए उभरेंगे और आगे की रणनीति भारत की अध्यक्षता में ही तय होगी। एक अहम बात यह है कि इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जिसमें रूस, अमरीका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, और ऑस्ट्रेलिया जैसे 20 देश शामिल हों तो उन सबकी आवाज भारत बनने जा रहा है। जरूरी यह है कि जी–20 के आयोजन को लेकर राजधानी दिल्ली का जिस तरह कायापलट हो रहा है उसकी खूबसूरती को चार चांद लगे हैं तो ऐसे में दिल्ली की इस खूबसूरती को स्थायीत्व के तौर पर अगर हम स्वीकार कर लेते हैं तो फिर दुनिया के नक्शे पर भारत की एक अलग ही तस्वीर उभरेगी। जैसा कि सब जानते हैं कि जी–20 एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय मंच है जो आर्थिक मुद्दों और इकोनॉमी से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में सक्षम है तो वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आह्वान एक धरती एक परिवार अर्थात वसुधेव कुटुम्बकुम का संदेश भी इसमें छिपा है। दुनिया में जलवायु से लेकर पर्यावरण तक, प्रदूषण की समस्याओं से लेकर कीमतें बढ़ने की चुनौतियां हैं, दुनिया में सब मैत्री के साथ विकास को आगे बढ़ाये। कहीं पर भी किसी देश के साथ दूसरे देश का युद्ध न हो। शांति का संदेश अगर भारत दे रहा है तो यह बात भी प्रमाणित हो रही है कि भारत दुनिया को एक परिवार मानता है और सब मिलकर आगे बढ़ें इससे बड़ी थीम और क्या हो सकती है। जी–20 को लेकर सारे देश में ध्और विशेष रूप से दिल्ली में बहुत उत्साह है, हमने कोरोना जैसी महामारियों को झेला। इसके अलावा आर्थिक मंदी भी पूरी दुनिया ने झेली परन्तु भारत ने इन दोनों ही मुसीबत भरी मुश्किलों के दौर में खुद को तो उबारा ही साथ ही पूरी दुनिया को मिलकर आगे बढ़ने की दिशा भी दिखाई। मेरा व्यधक्तिगत तौर पर यह मानना है कि दिल्ली जैसी ऐतिहासिक राजधानी की अपनी अलग किस्म की समस्याएं हो सकती हैं। अब जी–20 के आयोजन को लेकर सब समस्याएं खत्म हो रही हैं। केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर जी–20 को लेकर भारत की शान बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प हैं परन्तु हम सब नागरिकों का एक राष्ट्रीय कर्त्तव्य और एक राष्ट्रीय धर्म भी होना चाहिए कि अपनी दिल्ली को स्वच्छ और सुन्दर बनाकर रखें। कूड़ा और कचरा डस्टबिन में ही फैंकें, ट्रैफिक अपनी–अपनी लाइन में चले, सब लाल बत्ती पर नियमों का पालन करें। ऐसे में आधी समस्या तो वैसे ही हल हो जाएगी। ऐसा करना या ऐसी पहल के लिए तैयार होना लोगों की एक अच्छी सोच को दर्शाता है। अगर हम हर रोज सड़कों पर बाजारों में अनुशासित जीवन बिताते हैं तो हम एक राष्ट्रीय सेवा का धर्म निभा रहे हैं। किसी आयोजन का मतलब बड़ी चकाचौंध प्रस्तुत करना ही काफी नहीं बल्कि हम अनुशासित होकर अगर आगे बढ़ रहे हैं तो यह देश का ध्शृंगार कहा जाना चाहिए।

मुझे खुशी इस बात की है कि पूरा देश का हर राज्य मोदी सरकार हो या राज्यों की सरकारें सब मिलकर इस आयोजन को सफल बना रहे हैं। शिक्षा, रोजगार के अवसर, आर्थिक मंदी पर कंट्रोल जैसे विषयों के अलावा जलवायु और पर्यावरण नियंत्रण को लेकर अगर कोई साझी रणनीति भारत की अध्यक्षता में बन रही है तो हम इसका स्वागत करते हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक गोवा, चेन्नई, श्रीनगर, बैंगलुर, जयपुर तक इस जी–20 के आयोजन को लेकर विदेशी प्रतिनिधियों के साथ भारतीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। शिक्षा और रोजगार के अलावा युद्ध टालने तक की संभावनाओं पर भारत के नेतृत्व में एक बड़ा संदेश शक्तिशाली देशों चाहे वह रूस, अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, आस्ट्रेलिया ही क्यों न हो जाने–माने प्रतिनिधि और दिग्गज इस जी–20 की शोभा बढ़ा रहे हैं लेकिन एक सबसे बड़ी उपलब्धि भारत के खाते में दर्ज हो चुकी है। पिछले तीन सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि कोरोना जैसी महामारी की मार झेलने वाले भारत में पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ा है। इसमें जी–20 का बड़ा योगदान है अगर वर्ष 2023 की पहली छमाही को देखा जाए तो अकेले दिल्ली में 44 लाख टूरिस्ट आए। अब तक जी–20 के 220 आयोजन हो चुके हैं और विदेशी मेहमानों की संख्या बढ़ती जा रही है। कुल मिलाकर जहां 2019 तक अलग–अलग पर्यटन स्थलों पर देश में 53 लाख टूरिस्ट पहुंचे तो 2021 में यह आंकड़ा 68 करोड़ था लेकिन 2022 समाप्त होते–होते यह 174 करोड़ पर पहुंच गया। विदेश टूरिस्टों की संख्या में वृद्धि का एक बड़ा कारण जी–20 आयोजन है। मैंने जो आंकड़े सर्च किए हैं वो भारत की कमाई को लेकर हैं जरा देखिये 2022 और 2023 के बीच विदेशी टूरिस्टों की संख्या 104 प्रतिशत बढ़ चुकी है और आज की तारीख तक हमारे देश में 13,130,14 अरब डालर का मुद्रा भंडार बढ़ चुका है। लोग विशेष रूप से विदेशी टूरिस्ट कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारतीय चीजों को खरीद रहे हैं। भारतीय प्रोडक्ट्स बनाने वाले व्यापारियों को 3–3 साल के ऑर्डर मिल रहे हैं। कुल मिलाकर जब–जब भी देश में कोई बड़ा अंतर्राष्ट्रीय आयोजन होता है तो हर शहरी और हर भारतीय का यह पहला परम कर्त्तव्य होना चाहिए कि जहां–जहां भी आयोजन हो रहा है उस जगह को सुन्दर बनाने के साथ–साथ सार्वजनिक जीवन में नियमों का पालन भी करना चाहिए। यह सबसे बड़ा अनुशासन है जो किसी भी नागरिक और राष्ट्र को महान बनाता है। भारत की पहचान तो इससे भी अलग है क्योंकि वह दुनिया के हर व्यक्ति को परिवार का सदस्य मानता है। आओ अपना राष्ट्रीय धर्म निभायें, जी–20 को सफल बनायें और खूबसूरत दिल्ली को और भी सुन्दर बनाने की पहल को सदा नई पहचान देते रहें। यही हमारा राष्ट्रीय धर्म और कर्त्तव्य होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी हो या दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल या अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री हों। इस वक्त जी–20 ने भारत को दुनिया के विकास का अग्रदूत बना दिया है।

अमेरिकी भारत संबंधों में और प्रगढ़ता की आवश्यकता

वाशिंगटन की एजेंसी के अनुसार अमेरिका को भारत की चीन के बढ़ते प्रभाव और विस्तारवाद के खिलाफ ज्यादा आवश्यकता होगीस भारत के तेजी से विज्ञान टेक्नोलॉजी और प्रतिरक्षा में बढ़ते कदम को देखते हुए अमेरिका की उप रक्षा मंत्री ने अपने बयान में कहा है की प्रशांत महासागर में ड्रैगन की बढ़ती हसरतों को रोकने के लिए भारत से ज्यादा से ज्यादा प्रतिरक्षा समझौते और सामरिक संयुक्त सैन्य अभ्यास की जरूरत होगी। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब चीन की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए हजारों स्वायत्त हथियार प्रणालियों का उपयोग करने की योजना बना रही है।इसके लिए अमेरिका एक विशेष रिप्लिकेटर सामरिक प्रणाली का उपयोग युद्ध के मैदान में करने जा रही है इसके लिए रोबोट और और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा स्वचालित शास्त्रों से लैस ड्रोन पद्धति से युद्ध लड़ने पर विचार कर रही है।अब युद्ध का भविष्य बदल चुका है पहले रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विचारों में था लेकिन अब उसे हकीकत में बदलने समय आ गया है। युद्ध के उद्देश्य के लिए रोबोटिक प्रणाली का ज्यादा से ज्यादा सर्वोत्तम उपयोग किया जाना होगा गौरतलब है कि यूक्रेन में रूस के साथ युद्ध में दिखा दिया है कि रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का वास्तविक दुनिया में कैसे उपयोग किया जाता है। रूस और यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन ने रूस के खिलाफ बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने का पता लगाने के उन पर रोबोटिक तथा ड्रोन से व्यापक हमले का उपयोग किया है यूक्रेनी नौसेना ने अपने हमलावर ड्रोन से रूस के काला सागर फ्लीट को लगभग पंगु बनाकर उन्हें युद्ध पोत बंदरगाह से आगे नहीं बढ़ने दिया है। इसके अलावा यूक्रेन ने मास्को में ड्रोन अटैक से रूस के मुख्यालय में राष्ट्रपति पुतिन और उसके कमांडरों को मुसीबत में डाल दिया था। उपसेना प्रमुख ने बताया कि अमेरिका की जिम्मेदारी रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को न सुरक्षित रख पाने और चीन पर ताइवान की कुदृष्टि से बचाने के लिए जिम्मेदारी बहुत अहम हो जाती है। ऐसे में अमेरिका तथा नाटो देश अपने दुश्मनों के खिलाफ स्वायत्त रक्षा प्रणाली जिसका सीधा–सीधा मतलब ऐसे रोबोट के उपयोग से है ।

कमला नेहरु इंस्टीटयूट ऑफ चाइल्ड एजुकेशन,करौंदिया (विवेकनगर) सत्र 2017 से 2022 तक की प्रमुख उपलब्धियां

सुल्तानपुर।सत्र–2017 में राज्य विज्ञान संगोष्ठी–2017 जिसकाविषय–स्वच्छ भारतरूविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका संभावनाएं और चुनौतियां था, जिसमें कक्षा–10 का छात्रसदानंद तिवारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।सत्र–2018 में राज्य विज्ञान संगोष्ठी–2018मंडल स्तरीय प्रतियोगिता जिसका विषय–इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन 2.0 था, जिसमें कक्षा–10 की छात्रा यशस्विनी त्रिपाठी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।इसी क्रम में जनपद स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता जो कि कृषि विभाग (उत्तर प्रदेश) द्वारा आयोजित हुई थी जिसका विषय–कृषि क्षेत्र में धान की पराली जलाने का प्रभाव था जिसमें कक्षा–11 की छात्रा साक्षी प्रजापति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।पुलिस स्मृति दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा– 11की छात्रा तनु उपाध्याय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।इसके बाद राज्य स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी में कक्षा आठ की छात्रा दिव्यांशी सिंह ने प्रतिभाग किया।

सत्र–2019 में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित श्राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेसश में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कक्षा नौ का छात्र आर्यन मौर्या तथा श्रेयांश सिंह का चयन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित श्यूथ एक्टिविटी फॉर सुपीरियर ह्यूमैनिटी 2020श में रजत पदक से सम्मानित हुए।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज,इंडिया द्वारा कक्षा दस का छात्र हिमांशु सिंह को उसके असाध ारण प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

सत्र–2020 में पेट्रोलियम कंजर्वेशन रिसर्च एसोसिएशन, मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस,गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के द्वारा राज्य स्तरीय चित्रकला,निबंध लेखन में कक्षा–9 के दो विद्यार्थी श्रेया राय और श्रेयांश सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में कविता लेखन में कक्षा 12 की छात्रा ज्योति ने प्रथम स्थान व शगुन दुबे ने सांत्वना पुरस्कार तथा चित्रकला प्रतियोगिता में अंशिका त्रिपाठी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

सत्र–2021 में कक्षा 9 की छात्रा आयुषी मौर्य व छात्र आर्यन गुप्ता का चयन राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में हुआ जिसमें उन्होंने उच्च प्रदर्शन करके जनपद सुल्तानपुर का नाम रोशन किया।

पांचवा अंतर्राष्ट्रीय ठत्प्ै गणित प्रतियोगिता में 10 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सत्र–2022 में श्जिला विज्ञान क्लबश द्वारा संचालित कोविड–19 के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम

में निबंध लेखन में कक्षा ग्यारह की छात्रा दिव्यांशी सिंह को द्वितीय एवं रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा–11 की छात्रा ऋषिका त्रिपाठी को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

इसी क्रम में कक्षा 9 की दो छात्राएं सुनैना श्रीवास्तव व दिव्यलता का चयन राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2022 के लिए हुआ जिसका विषय ष्डेंगूरू स्मॉल बाइट, बिग थ्रेटष था, जिसमें इन दोनों छात्रों का प्रदर्शनी सराहनीय रहा।

मंडल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में

कक्षा 10 का छात्र आर्यन गुप्ता को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ फलतः उसका चयन राज्य–स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी, प्रयागराज के लिए हुआ वहां पर भी उसने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।जनपद स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता जो कि बूढ़े बाबा का वटवृक्ष कुंवासी,हलियापुर में 27 जुलाई 2022 को संपन्न हुई जिसमें कक्षा–10 की छात्रा आयुषी मौर्य ने प्रथम तथा कक्षा– 12 की छात्रा सुवर्णा कसौधन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा चित्रकला प्रतियोगिता जो कि 30 नवंबर 2022 को राजकीय इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में संपन्न हुई जिसमें कक्षा 10 की छात्रा आयुषी मौर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।कला उत्सव 2022 जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में

कक्षा 11 का छात्र रुद्र जायसवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया जो कि जोसेफ इंटर कॉलेज,लखनऊ में 06 दिसंबर 2022 को आयोजित हुई थी।

एकता दिवस 31अक्टूबर 2022 के अवसर राजकीय इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में जनपद स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें कक्षा 6 का छात्र दिव्यांश कुमार सिंह ने प्रथम, कक्षा 9 की छात्रा साक्षी सिंह ने द्वितीय तथा कक्षा 8 की छात्रा दिव्या तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सत्र 2022–23 की हाई स्कूल परीक्षा में आर्यन गुप्ता कक्षा 10 के छात्र ने 98.20ः अंक प्राप्त कर प्रयागराज मण्डल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

देश को संशय में डालती मोदी सरकार

संसदीय परम्पराओं की अवहेलना करने की आदी हो चुकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने अपनी इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए देश के इतिहास में पहली बार ट्विट के जरिये संसद का विशेष सत्र बुलाकर साबित कर दिया है कि वह न केवल गैरजिम्मेदार है वरन उसका पारदर्शिता से भी कोई लेना–देना नहीं रह गया है। ऐसे वक्त में जब संयुक्त विपक्ष का गठबन्धन श्इंडियाश (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंन्क्लूजिव एलाएंस) मुम्बई में 31 अगस्त व 1 सितंम्बर को 2024 के लोकसभा की चुनावी रणनीति में व्यस्त था, केन्द्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी कि 18 से 22 सितम्बर को विशेष सत्र होगा। भले ही इस सूचना को श्इंडियाश उपेक्षित कर अपनी कार्यवाही में लगा रहा लेकिन यह एक तरह से देश को अंधेरे में रखने जैसा है क्योंकि यह कार्यप्रणाली किसी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार की नहीं हो सकती। न ही यह श्इंडियाश की बढ़ती एकता के जवाब में होनी चाहिये। इसे लेकर कई तरह के कयास हैं। इसमें वर्ष 2024 में होने जा रहे लोकसभा को समय से पहले करा लेने की सम्भावना से लेकर संविधान में संशोधन, चुनाव टाल देने या फिर मोदी को हमेशा के लिये पीएम बनाये जाने जैसी गुंजाइशें टटोली जा रही हैं। चीन द्वारा नया नक्शा जारी करना (जिसमें अरूणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा बताया गया है), मणिपुर हिंसा, गौतम अदानी को लेकर नये खुलासे, महंगाई आदि अनेक विषय हैं जिनके बारे में अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं कि इन मसलों पर सरकार कोई बात करना चाहती है। सही जानकारी किसी के भी पास नहीं है। फिर, हाल ही में तो संसद का सत्र हो चुका है। क्यों नहीं सरकार ने इन विषयों पर तब चर्चा कर ली? सवाल यह भी है कि क्यों लोगों या सांसदों को विषय को लेकर कयास लगाने के लिये छोड़ा जाये? क्यों नहीं सूचना के साथ ही विषय की जानकारी दे दी गई? संसद पर केवल सत्ता का हक नहीं है, जो अन्य लोगों को इसकी सूचना से वंचित रखा जाये। यह सत्र 5 दिनों का क्यों है, जबकि विशेष सत्र एकाध दिन के ही होते हैं? दुर्भाग्य से तमाशों के आयोजनों में पारंगत मोदी सरकार इसे भी इवेंट बना रही है। आखिरकार विशेष सत्र कोई मजाक नहीं होता और न ही उसे सत्तापक्ष का कोई विशेषाधिकार समझा जाये, बावजूद इसके कि सरकार को ऐसा करने का पूरा हक है। तो भी, इस अधिकार का प्रयोग बहुत गम्भीरता सेय और बेहद खास उद्देश्यों को लेकर होना चाहिये। विशेष सत्र का विषय क्या है, यह किन परिस्थितियों में आयोजित किया जा रहा है और इसे बुलाये जाने का प्रयोजन क्या है– यह सारा कुछ सरकार को बतलाना चाहिये था। यह सूचना प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से तथा बाकायदा एक अधिसूचना जारी कर नागरिकों को देनी थी। संसद पर पहला हक तो नागरिकों का होता है, चाहे वे स्वयं इसके प्रत्यक्ष सदस्य न हों। जो सदस्य दोनों सदनों में बैठते हैं वे अंततरू जनसामान्य की ही नुमाइंदगी करते हैं। सरकार को पहले तो इस पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये थी फिर अपना उद्देश्य बतलाना चाहिये था। मोदी सरकार द्वारा संसदीय गरिमा व परम्पराओं को ध्वस्त करने की पूरी श्रृंखला है, जिसकी एक और कड़ी का सम्बन्ध इसी एपीसोड से है। सरकार ने एक समिति बनाई है जो एक देश एक चुनाव की योजना बनाकर सरकार को सौंपेगी। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक सेवानिवृत्त राष्ट्रपति को किसी समिति का अध्यक्ष बनाकर सरकार के किसी विभाग को रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है जो कभी सिर्फ उस विभाग का नहीं वरन पूरी सरकार का प्रमुख हुआ करता था। वास्तविकता में चाहे न हो लेकिन संवैधानिक परिभाषा के अनुसार तो वह राष्ट्राध्यक्ष ही है जिसके अधीन पूरा देश होता है। संसदीय प्रक्रिया के अंतर्गत खुद मोदी इन्हीं राष्ट्रपति के अंतर्गत काम कर चुके हैं। न यह कोई पूछने वाला है और न ही कोई बताने वाला कि आखिर एक पूर्व राष्ट्रपति कैसे किसी समिति का प्रमुख बनकर सरकार को कोई रिपोर्ट दे सकता है। कायदे से तो कोई व्यक्ति जिस दिन इस पद पर पहुंचता है, उसी दिन से वह दलगत राजनीति से ऊपर हो जाता हैय पर यह सब तभी सम्भव है जब किसी व्यक्ति या किसी राजनैतिक दल की ही आंखों का नहीं, किसी सरकार की आंखों का भी नहीं, बल्कि पूरे देश की आंखों का पानी मर जाये। अगर एक देश एक चुनाव की बात करें तो यह करा पाना बहुत कठिन है– प्रशासकीय और राजनैतिक दोनों कारणों से अव्यवहारिक। आजादी के बाद हुए पहले चार आम चुनावों के साथ विध ानसभाओं के निर्वाचन हुए थे परन्तु तब की परिस्थितियां अलग थीं। आबादी कम थी, चुनावी हिंसा न्यूनतम थी। राजनैतिक दलों के बीच आज के जैसी वैमनस्यता भी नहीं थी। सबसे बड़ी बात कि चुनावों का आकार व स्वरूप विशाल नहीं था। इसके बावजूद अगर सरकार एक साथ चुनाव कराना ही चाहती है तो पहले वह इसके फायदे बतलाये। यह भी बताये कि सामान्य नागरिकों, विशेषकर मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी में डाले बगैर ये कैसे सम्पन्न होंगे। जब मणिपुर जैसे छोटे से राज्य की हिंसा को रोकने में सरकार 5 माह में भी सफल नहीं होती और ज्यादातर राज्यों के चुनाव कई चरणों में कराने पड़ते हैं, तो इतने बड़े देश में एक दिन में कैसे चुनाव हो सकते हैं। यह जानने का हक नागरिकों का हैय और बतलाना सरकार का कर्तव्य।

सिंगापुर के नए राष्ट्रपति

आदित्य नारायण

सिंगापुर के लोगों ने भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम को अपना नया राष्ट्रपति चुन लिया है। थर्मन को रिकार्डतोड़घ्70.4 फीसदी वोट हासिल हुए। उन्होंने वर्ष 2011 के बाद पहली बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में चीनी मूल के दो प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। अर्थशास्त्री थर्मन 2011 से 2019 तक सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जाने–माने राजनेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी से जुड़े रहे हैं। यद्यपि नस्लीय राजनीति केघ् लिए जानी जाने वाली घ्सिंगापुर की पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने देंगे। लेकिन थर्मन शनमुगरत्नम ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन करघ् दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का घ्विषय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा है कि भारत और सिंगापुर के द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में उनके साथ काम करने में उन्हें खुशी होगी। थर्मन शनमुगरत्नम की पर्सनल लाइफ देखें तो इनके परिवार के कुल 6 सदस्य हैं। उनकी पत्नी युमिको इटोगी ने उनके जीवन और करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके चार बच्चे हैं जिनका नाम माया, आकाश, कृष्ण और अर्जुन है। थर्मन शनमुगरत्नम के बच्चे अपने माता–पिता के नक्शेकदम पर चले हैं। सबसे बड़ा बच्चा माया एक सामाजिक उद्यमी और वकील है, जबकि दूसरा बच्चा आकाश एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वहीं दो छोटे भाई–बहन कृष्ण और अर्जुन क्रमांक इकोनॉमिक, पॉलिटिक्स और संगीत, आर्ट्स के स्टूडेंट हैं। थर्मन शनमुगरत्नम का पारिवारिक जीवन उनके राजनीतिक करियर की तरह ही गतिशील और प्रेरणादायक है। उनके बच्चों को सार्वजनिक सेवा के लिए अपने माता–पिता का उत्साह विरासत में मिला है। हर एक बच्चे ने अनूठे रास्ते बनाए हैं। थर्मन शनमुगरत्नम ने सिंगापुर के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। थर्मन शनमुगरत्नम का जन्म 1957 में हुआ था। सिंगापुर में राष्ट्रपति की भूमिका मौटे तौर पर औपचारिक होती है और उन्हें अधिक शक्तियां नहीं दी जातीं। हालांकि सिंगापुर के वित्त भंडार से जुड़ी कुछ ताकत उनके हाथों में जरूर होती है। राष्ट्रपति के पास सरकार और सार्वजनिक मामलों में बोलने की शक्ति बेहद सीमित होती है।

सरकार के पास राष्ट्रपति को पद से हटाने की ताकत होती है। यहां की सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि राष्ट्रपति, पूरी स्वतंत्रता के साथ बात नहीं कर सकते और उनकी भूमिका कुछ वैसी ही रहेगी जैसी ब्रिटेन में महारानी की। माना जाता है कि ये औपचारिक पद उन नेताओं के लिए सही हो सकता है जो शांत स्वभाव वाले हैं और विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं, जैसा कि पहले के कई राष्ट्रपति थे। थर्मन का कौशल लाजवाब है। वो संघ्युक्त राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष जैसे वैश्विक संगठनों में काम कर चुके हैं। एक समय वह भी था जब यह कहा जा रहा है कि वह मुद्राकोष के प्रमुख बन सकते हैं। गैर चीनी मूल के नेता पहले भी सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे हैं लेकिन यह पहला मौका है जब इस पद की दौड़ में मुकाबले के बाद किसी ने जीत हासिल की है। उनकी जीत चीनी नस्लवाद के खिलाफ एक बुलंद आवाज की जीत है। थर्मन की जीत ने यह साबित कर दिया कि वह केवल अल्पसंख्यक समुदाय के नेता नहीं हैं बल्कि पूरे देश के नेता हैं। उनकी जीत भारत के लिए महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ संबंधों का एक इतिहास रहा है।सिंगापुर के साथ भारत के संबंध चोल वंश के समय से चले आ रहे हैं। 1965 में सिंगापुर की आजादी के बाद दोनों देशों के संबंध लगातार घनिष्ठ होते गए और 1990 के दशक में भारत के आर्थिक सुधारों और भारत की लुक ईस्ट नीति ने संबंधों की नई रूपरेखा सृजन कर डाली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी के संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। सिंगापुर की 3.9 मिलियन की आबादी में भारतीय लगभग 9.1 प्रतिशत यानि 3.5 लाख हैं। उन्होंने सिंगापुर के आर्थिक विकास, सामाजिक ताने–बाने और सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एमबीबीएस व बीडीएस छात्र-छात्राओं ने व्हाइट कोट सेरेमनी के दौरान हिप्पोक्रेटिक शपथ ली

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की फैकल्टी आफ मेडिसिन द्वारा जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालिज एवं डा. जेडए डेंटल कालिज में एमबीबीएस व बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले नव प्रवेशित 190 छात्र, छात्राओं ने आज जेएन मेडिकल कालिज सभागार में आयोजित भव्य व्हाइट कोट सेरेमनी के दौरान हिप्पोक्रेटिक शपथ ली। जिसमें उन्होंने मरीजों की भलाई के लिए समर्पित एवं निस्वार्थ भाव से उपचार का प्रण लिया। व्हाइट कोट सेरेमनी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने कहा कि मेडिकल व्यवसाय विश्व का सबसे सम्मानित व्यवसाय है। उन्होंने कहा कि आज भी देश में जनसंख्या के अनुपात से चिकित्सकों की संख्या बहुत कम है और स्वास्थय सुविधाओं में बुनियादी उपकरणों को संसाधनों की कमी है। उन्होंने कहा कि एएमयू देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है और यहां एमबीबीएस और बीडीएस में प्रवेश मिलना किसी के लिए भी गौरव का विषय है। कुलपति ने आशा जताई कि भविष्य में इन कालिजों से शिक्षा प्राप्त छात्र समर्पित भाव से रोगियों कीसेवा कर इस संस्था के नाम को गौरवान्ति करेंगे। मानद् अतिथि भारत सरकार के स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थय एवं परिवार कल्याण विभाग के सामान्य स्वास्थय सेवा निदेशालय में उप महानिदेशक डाक्टर बी श्रीनिवास ने कहा कि छात्रों का चिकित्सा व्यवसाय के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है और इस वर्ष 22 लाख छात्र नीट परीक्षा में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को सफलता के कुछ टिप्स भी बताये और एएमयू के नाम को गौरवान्वित करने का आव्हान किया। मेडिसिन संकाय की डीन प्रोफेसर वीणा माहेश्वरी ने कहा कि व्हाइट कोट सम्मान का प्रतीक है और छात्रों को इसकी गरिमा को बनाये रखते हुए मरीजों के साथ नम्र व्यवहार से पेश आना चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाला मरीज पीड़ा के साथ आता है और उसकी पीड़ा को कम करने के लिए आवश्यक है कि उसके साथ उचित उपचार के साथ उसके साथ मधुर व्यवहार और मृदभाषा से भी पेश आया जाए। जेएन मेडिकल कालिज के प्राचार्य एवं सीएमएस प्रोफेसर हारिस एम खान ने कहा कि जेएन मेडिकल कालिज एण्ड हास्पिटल देश के व्यस्तम हास्पिटलों में एक हैं। यहां हरेक वर्ष लाखों की संख्या में मरीज ओपीडी में अपना उपचार कराने आते हैं और हजारों मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया जाता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को शिक्षकों के अलावा अपने सीनियर्स और रोगियों से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है।

डा. जेडए डेंटल कालिज के प्राचार्य प्रोफेसर आरके तिवारी ने कहा कि नव प्रवेशित छात्र–छात्रायें कड़ी मेहनत और समर्पित भाव से दिन रात रोगियों की सेवा का कार्य करेंगे।

मेडिकल एजुकेशन यूनिट की समन्वयक समन्वयक प्रोफेसर सीमा हकीम ने नव प्रवेशित छात्रों के लिए होने वाले कार्यक्रम के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रो. एम अतहर अंसारी एवं डा. सबा खान द्वारा संपादित स्टूडेंट हैंड बुक का मंच पर मौजूद मेहमानों ने लोकार्पण किया। उपस्थितजनों का आभार प्रोफेसर फरहा गौस ने जताया। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर बुशरा सिद्दीकी और डाक्टर रूही खान ने किया।

एएमयू शिक्षिका द्वारा पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अश्नलाइन व्याख्यान प्रस्तुत

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गणित विभाग की प्रोफेसर सुबुही खान ने पेरिस, फ्रांस की यूनिवर्सिटी डीएवरी वैल डीएएस्सोन में आयोजित 'शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित और संबंधित क्षेत्रों के छठे भूमध्यसागरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' (एमआईसीओपीएएम 2023) में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया। प्रोफेसर खान ने अपनी प्रस्तुति 'अम्ब्रल कन्वोल्यूशन्स ऑफ हाइपरजियोमेट्रिक फंक्शंस' के अंतर्गत अम्ब्रल कैलकुलस की जटिल तकनीकों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया। 'शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित और संबंधित क्षेत्रों का छठा भूमध्यसागरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमआईसीओपीएएम 2023)' भौगोलिक सीमाओं से परे, शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में शोधकर्ताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। विभिन्न देशों के विद्वानों और प्रतिभागियों ने कांफ्रेंस में भाग लिया।

आईक्यूएसी द्वारा स्टार्टअप्स और इनक्यूबेटर्स पर वेबिनार का आयोजन

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) द्वारा 'स्टार्टअप, इनक्यूबेटर और उद्यमिताः लैब से बाजार तक अनुवादात्मक अनुसंधान' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 800 पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया। एएमयू के कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने एक बहुत ही प्रासंगिक विषय के बारे में छात्रों और शिक्षकों को संवेदनशील बनाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों की सराहना की। आईक्यूएसी के निदेशक प्रोफेसर असद यू खान ने वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया और स्टार्टअप और उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। बीआईजी एवं बीआईआरएसी अनुदान के माध्यम से स्टार्टअप और फंडिंग का वर्णन करते हुए, जिसे उन्होंने आईआईटी कानपुर में शुरू किया था, प्रोफेसर खान ने कहा कि स्टार्टअप रोजगार पैदा करते हैं और देश में नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान करते हैं।मुख्य वक्ता, टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर, आईआईआईएम, जम्मू के प्रधान अन्वेषक डॉ. सौरभ सरन ने स्टार्टअप की अवधारणा और इसके मूल सिद्धांत पर प्रकाश डाला। एएमयू छात्रों को स्टार्टअप और व्यावसायिक उद्यमों में प्रशिक्षित करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान के रूप में रोड शो प्रतियोगिताएं एएमयू में आयोजित की जा सकती हैं और विजेताओं को मुफ्त इनक्यूबेटर की पेशकश की जा सकती है। टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के समन्वयक डॉ. अंकुश वर्मा ने आईआईआईएम, जम्मू में इनक्यूबेटरों की स्थापना और अन्य स्टार्टअप की प्रगति पर बात की। उन्होंने सफलता की कई कहानियों, इनक्यूबेट्स की प्रगति और इनक्यूबेटिंग विचारों को बाजार स्तर पर अनुवादित करने पर चर्चा की। उन्होंने सवाल–जवाब सत्र का संचालन भी किया। प्रोफेसर अनवर शहजाद ने ध न्यवाद ज्ञापित किया। अरीबा दिलशाद ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जेएन मेडिकल कालिज चिकित्सक को मिली फेलोशिप

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेएन मेडिकल कॉलेज के कार्डियोलॉजी विभाग के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट प्रोफेसर मलिक एम अजहरुद्दीन को सोसाइटी फॉर कार्डियोवास्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन (एससीएआई) की प्रतिष्ठित फैलोशिप से सम्मानित किया गया है। सोसाइटी फॉर कार्डियोवस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन्स इंटरवेंशनल कार्डियोवस्कुलर विशेषज्ञों का प्रतिनिधित्व करती है और इनवेसिव और इंटरवेंशनल कार्डियोवस्कुलर मेडिसिन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देती है। फेलोशिप उन व्यक्तियों को दिया जाने वाला एक विशिष्ट सम्मान है जिन्होंने हृदय संबंधी हस्तक्षेप के क्षेत्र में असाधारण विशेषज्ञता, नवाचार और योगदान का प्रदर्शन किया है।प्रो. मलिक एम अजहरुद्दीन ने अभूतपूर्व अनुसंधान, रोगी देखभाल और अकादमिक नेतृत्व के माध्यम से कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में नए आयामों को आगे बढ़ाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। विभागाध्यक्ष, डॉ. आसिफ हसन ने प्रो. मलिक की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की और कहा कि उनकी उपलब्धि ने न केवल विभाग का नाम रोशन किया है, बल्कि इस क्षेत्र में चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक शानदार उदाहरण भी स्थापित किया है।

आरसीए के 6 छात्रों ने यूपी न्यायिक सेवा परीक्षा में सफलता हासिल की

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) के 6 छात्रों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा 2022 उत्तीर्ण की है। आरसीए के निदेशक प्रो. सगीर अहमद अंसारी ने बताया कि चयनित छात्रों में सुश्री सुबुक मुस्कान (रैंक 29), सुश्री रमशा तनवीर (रैंक 133), मोहम्मद कासिम (रैंक 135), मोहम्मद आसिम चौधरी (रैंक 223), आलोक कुमार वर्मा (232) और श्री आजम रहमानी (302) शामिल हैं। एएमयू के कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने चयनित छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई दी और रजिस्ट्रार मोहम्मद इमरान (आईपीएस) ने कहा कि उनकी सफलता अन्य छात्रों को अपने–अपने क्षेत्र में सफलता की नयी कहानियां लिखने के लिए प्रेरित करेगी।

वीमेंस कॉलेज और अब्दुल्लाह हॉल द्वारा संयुक्तरूप से ओपन डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट का आयोजन

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विमेंस कॉलेज और अब्दुल्ला हॉल द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त रूप से ओपन डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि, एएमयू रजिस्ट्रार, श्री मोहम्मद इमरान, आईपीएस, ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल टीम भावना को बढ़ावा देते हैं और छात्रों को इसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। उन्होंने टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा की। विमेंस कॉलेज की प्राचार्या, प्रोफेसर नईमा खातून ने छात्राओं को प्रेरित किया और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए टूर्नामेंट में शामिल सभी लोगों की सराहना की। मानद अतिथि, डॉ. सैयद अमजद अली रिजवी, सचिव, यूनिवर्सिटी गेम्स कमेटी ने कहा कि प्रतियोगिता में खेल भावना के साथ शामिल होना चाहिए जो हर प्रकार की जीत की भावना से ऊपर है। डॉ. गजाला नाहीद, प्रोवोस्ट, अब्दुल्ला हॉल ने दैनिक जीवन में अनुशासन पैदा करने और व्यक्तित्व को निखारने के लिए खेलों के महत्व को उजागर किया। टूर्नामेंट में टेबल टेनिस में 28 प्रतिभागी, वॉलीबॉल में 110 और बैडमिंटन में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 36 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

योगी ने बी पैक्स सदस्यता अभियान का किया शुभारंभ, 30 सितंबर तक चलेगा महाअभियान

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को सीएम योगी ने बी पैक्स सदस्यता महाअभियान 2023 का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के लिए काम कर रही है। यह अभियान 30 सितंबर तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्रता सहकारिता जेपीएस राठौर भी मौजूद रहे। प्रदेश में साधन सहकारी समितियां को कंप्यूटरीकृत किया जा रहा है। इसका नाम भी बदलकर अब बी पैक्स कर दिया गया है। यह समितियां सिर्फ खाद और बीज तक ही सीमित नहीं रहेंगी। प्रदेश सरकार इसे बहुउद्देशीय बना रही है। प्रदेश भर की सभी विकास खंड की समितियों को सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है सदस्य बनने के लिए 221 रुपए देने होंगे। सदस्य बनने के बाद लोगों को उर्वरक, उन्नतशील बीज, कृषि मशीनरी, कीटनाशक, सदस्यों को तीन प्रतिशत ब्याज की दर पर फसली ऋण सहित अन्य कई लाभ दिए जाएंगे। नैनो यूरिया, उर्वरक, उन्नत बीज, बीज उत्पादन, कृषि मशीनरी, यंत्रीकरण, कीटनाशक, माइक्रोन्यूट्रीनेन्ट्स एवं अन्य उत्पादन संबंधी सुविधाओं का लाभ कृषि पैदावार एवं उसके उत्पादों (जैसे– अनाज, फल, सब्जियां, पुष्प, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, बागवानी उपज, भेड़–बकरी पालन आदि) के लिए तकनीकी एवं वित्तीय सहायता की उपलब्धता समिति में उत्तराधिकारी नामित करने का अधिकार।

कजली विसर्जन करने के बाद बहनों ने बांधी राखियां, लंबी उम्र की कामना की

बांदा(संवाददाता)। जिले में भाई–बहन के प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दोपहर को महिलाएं। बहनें और बच्चे गाजे–बाजे के साथ कजली लेकर ग्राम पंचायत मवई बुजुर्ग गांव के किनारे बने गोसाई तालाब में विसर्जित किया है।कजली विसर्जन के पश्चात सभी बहनें अपने–अपने भाइयों के मस्तक में हल्दी चावल का तिलक कर उनकी कलाइयों पर रक्षा सूत्र राखी बांध ाकर लंबी उम्र की कामना करते हुए अपनी रक्षा का वचन लेती हैं। भाई अपनी बहनों को बड़े हर्ष के साथ उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। विभिन्न प्रकार के उपहार भेंट करते हैं। पूर्वजों की माने तो पूर्व काल में द्रौपदी भगवान श्रीकृष्ण की कलाई से रक्त बहता देख अपनी साड़ी का पल्लू फाड़ कर बांध देती हैं तभी श्री कृष्ण भगवान ऐसा अद्भुत प्रेम देखकर द्रौपदी को वरदान और आशीर्वाद देते हैं की आज से जब भी तुम्हें संकट दिखे मुझे याद कर लेना मैं तुम्हारी रक्षा करने का वचन देता हूं। तभी कहा जाता है की महाभारत काल में द्रोपदी चीर हरण में श्री कृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाई थी। रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार पर अनेक विद्वानों के अनेक मत हैं। कजली विसर्जन के सुनहरे मौके पर गांव के कोने–कोने से कजली लिए महिलाओं के अनेक गुटों के साथ तमाम बड़े बुजुर्ग व भारी संख्या में युवा भी शामिल रहे।

बसपा के जिलाध्यक्ष रामसेवक व महासचिव बने विजय बहादुर

बांदा(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की जिला कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी रामसेवक प्रजापति को सौंपी गई है, जबकि महासचिव पद पर विजय बहादुर वर्मा को मनोनीत किया गया। विधानसभा प्रभारी भी बनाए गए हैं। गठन के बाद पार्टी के नए पदाधिकारियों को लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए। पार्टी नेताओं ने जन–जन तक बसपा की नीतियों को पहुंचाने को लेकर रणनीति बनाई। चित्रकूट धाम मंडल के मुख्य जोन इंचार्ज नौशाद अली, हेमंत प्रताप सिंह, बल्देव प्रसाद वर्मा, आयूब खां और संतोष वर्मा की संस्तुति पर नए पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। इसमें उपाध्यक्ष मोहम्मद असलम, सचिव प्रभु दयाल निषाद को बनाया गया। वहीं, जिलावार विधानसभा प्रभारी कुंजबिहारी प्रजापति, तिंदवारी के लिए विनय वर्मा, बबेरू के लिए शिव प्रसाद वर्मा, राजू राही, नरैनी के लिए शिव दयाल रत्नाकर व मोती लाल वर्मा, बांदा सदर के लिए राजकुमार कुशवाहा और आशुतोष भास्कर को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। कोषाध्यक्ष कुमार गौरव गुप्ता, सदस्य अवधेश दिनकर, डीडी पांडा वाल्मीकि, जिला वामसेफ सैडो पद की जिम्मदारी सतेंद्र वर्मा को दी गई।

ट्रक की टक्कर से टूटे तार, बिजली गुल

बांदा(संवाददाता)। त्योहार के दिन कई क्षेत्रों में बिजली की आंखमिचौली चलती रही। कहीं फाल्ट होने की वजह से घंटों बिजली नहीं आई तो कहीं ट्रिपिंग की समस्या से लोगों को परेशान कर दिया। गर्मी ज्यादा होने की वजह से लोगों के लिए यह समस्या काफी दिक्कतों वाली रही। शहर में ज्यादातर क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या रही। इसके साथ ही गुरुवार

को पीली कोठी सब स्टेशन सुबह बाबूलाल चौराहा पर आधा घंटा बिजली गुल रही। छावनी में पीएनबी बैंक के पास ट्रक ने केबल तोड़ दी, जिस वजह से बिजली की समस्या खड़ी हो गई। सब्जी मंडी रोड पर भी सुबह और रात में एक फेस में काफी समय तक सप्लाई नहीं हुई। इसके अलावा अलग अलग क्षेत्रों में पचास मिनट से एक घंटे तक की रोस्टिंग रही।

ट्यूशन टीचर से रेप की कोशिश,पुलिस ने 35 घंटे बाद आरोपी को पकड़ा

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रक्षा बंधन पर ट्यूशन पढ़ाकर स्कूटी से लौट रही टीचर को रास्ते में 3 युवकों ने किडनैप कर लिया। स्कूटी से गिराकर घसीटते

हुए सुनसान जगह ले गए। लड़की चिल्लाती रही, वह छोड़ने के लिए गिड़गिड़ाती रही। लेकिन दरिंदों का दिल नहीं पसीजा। वह उसे घसीटते रहे। इसके बाद रेप करने की कोशिश की। विरोध करने पर दोनों हाथ, पीठ और सिर पर चाकू से वार किए। हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। फिलहाल, युवती आईसीयू में भर्ती है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक ट्यूशन टीचर से एकतरफा प्यार करता था। कई दिनों से टीचर को परेशान कर रहा था। आरोपी घरों में पुताई का काम करता है। वह नशे का आदी है। टीचर ने भी डॉक्टर से बताया कि आरोपी उसे कई दिनों से परेशान कर रहे थे। वहीं, पुलिस ने 35 घंटे बाद एक आरोपी पंकज रावत को गिरफ्तार कर लिया है। निलमथा स्थित एक कालोनी में पूर्व सैन्यकर्मी की 20 साल की बेटी अपने परिवार संग रहती है। युवती बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती है। रोज की तरह बुधवार शाम करीब 7 बजे ट्यूशन पढ़ाने के बाद स्कूटी से वापस घर लौट रही थी। इस बीच कॉलोनी में रहने वाले पंकज रावत और उसके दो साथियों ने उसको रोक लिया। युवती के विरोध करने पर स्कूटी से गिरा दिया। आरोपियों ने युवती को स्कूटी से गिरा दिया और उसकी स्कूटी पंचर कर दी। इसके बाद युवती का दुपट्टा पकड़कर उसको घसीटते हुए सुनसान में ले गए। जहां युवती से रेप करने की कोशिश करने लगे। मगर, युवती चिल्लाने लगी। इसके बाद पंकज ने चाकू से उस पर हमला कर दिया। हमले में युवती के सिर, पीठ, हाथ पर घाव लगे। इसी बीच आस–पास के लोग मौके पर पहुंचे। भीड़ को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गए। युवती ने लोगों को अपने बारे में जानकारी दी। इसके बाद लोगों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। फिर परिजनों ने युवती को इलाज के लिए कमांड अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका आईसीयू में इलाज चल रहा है। इधर, आरोपी पंकज ने वारदात को अंजाम देने के बाद मोबाइल बंद कर फरार हो गया। युवती के साथ हुई इस घटना से नाराज कॉलोनी के लोगों ने गुरुवार शाम पैदल मार्च निकाला। लोगों ने मांग है कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। जिससे दोबारा कोई ऐसी घटना को अंजाम देने की कोशिश न कर सके। साथ ही इलाके की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए। डीसीपी पूर्वी ह्रदेश कुमार के मुताबिक, युवती की मेडिकल रिपोर्ट में पांच चाकू के वार और चोट के निशान मिले हैं। जिसमें सिर, दोनों हाथ पर एक–एक और पीठ पर दो चाकू के वार किए है। युवती ने डॉक्टर को एक युवक के ही हमले की बात कही है। पिता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

ट्रक ड्राइवर की आंख फोड़ने वाला गिरफ्तार,पुलिस कर रही पूछताछ

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के महिगंवा चौकी इलाके के रमपुरवा गांव के पास खराब ट्रक को ओवरटेक करने पर जिला कृषि अधिकारी उत्तर प्रदेश सरकार लिखी स्कॉर्पियो पर सवार लोगों ने ट्रक ड्राइवर की आंख फोड़ दी थी। बुधवार को हुई इस घटना में स्कॉर्पियो चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य सवार भाग निकले। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर गुरुवार की शाम को इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के इटौंजा थाना की महिगंवा चौकी इलाके में ट्रक चालक की आंख फोड़ने की मार्मिक घटना को लेकर कार्रवाई के लिए एसीपी बीकेटी धर्मेंद्र सिंह रघुवंशी ने इटौंजा थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी को सख्त निर्देश दिए थे। एसीपी के आदेश के बाद इटौंजा थाना प्रभारी ने जिला कृषि अधिकारी वीर प्रताप सिंह यादव को हिरासत में लिया। गुरुवार शाम को हिरासत में लिए गए जिला कृषि अधिकारी वीर प्रताप सिंह यादव ने अपनी तैनाती महोबा जिले में बताया। वहीं मौजूदा समय में कृषि निदेशालय लखनऊ में सम्बद्ध हैं। इटौंजा थाना प्रभारी सुनील तिवारी ने बताया कि पूछताछ जारी है। बीते बुधवार को इटौंजा कुम्हरावां रोड पर रमपुरवा गांव के पास खराब पड़े ट्रक संख्या (पीबी 13 बीबी 2108) को ओवरटेक करने के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार लिखी स्कॉर्पियो गाड़ी संख्या (यूपी 32 एनडी 7168) सवार लोगों ने मुजफ्फरनगर निवासी ट्रक चालक सोनू की आंख में डंडा घुसेड़ दिया। जिसके चलते ट्रक चालक सोनू की आंख फूट गई। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने रोड पर स्कॉर्पियो सवार लोगों की दबंगई देखकर एकत्रित होने लगे। जिससे सड़क के दोनों तरफ जाम लग गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर स्कॉर्पियो सवार एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया था। बाकी अन्य लोग मौके से फरार हो गए थे। वहीं घायल ट्रक ड्राइवर सोनू की गंभीर अवस्था को देखते हुए इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया।

खराब डोसा देने का आरोप लगाकर संचालक को पीटा

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में शराब के नशे में धुत दबंगों ने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट डोसा को लेकर संचालक और कर्मचारियों को पीट दिया। मारपीट की घटना का कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया जो अब सामने आया है। वारदात रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। पीड़ित पक्ष ने मामले को लेकर कोतवाली में शिकायत की है। मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के वल्वे स्टेशन रोड स्थित सिटी सेंटर में बने साउथ इंडियन डोसा–इडली रेस्टोरेंट का है। इस रेस्टोरेंट का संचालन साउथ इंडिया के रहने वाले शिवा कई वर्षों से कर रहे हैं। गुरुवार देर शाम को आधा दर्जन से अधिक युवक शराब के नशे में धुत होकर रेस्टोरेंट पहुंचे। जहां उन्होंने डोसा का ऑर्डर दिया। युवकों ने रेस्टोरेंट में पहले डोसा खाया, फिर घर के लिये डोसा पैक कराकर ले गए। कुछ देर बाद वही लड़के रेस्टोरेंट पर ये शिकायत लेकर पहुंचे कि जो डोसा उन्होंने पैक करके दिया वह खराब था। इसी बात को लेकर आरोपी रेस्टोरेंट संचालक शिवा के साथ अभद्रता करने लगे। जिसका विरोध करने पर हाथापाई शुरू कर दी। शिवा को बचाने के लिये रेस्टोरेंट में काम करने वाले कर्मचारी आए तो युवकों ने सभी की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना से रेस्टोरेंट में अफरा तफरी मच गई। इसी दौरान कुछ

युवकों ने इस घटना का वीडियो बना लिया। साथ ही रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में इस मारपीट की घटना कैद हो गई। इस मारपीट की जानकारी जैसे ही उरई कोतवाली पुलिस को हुई। पुलिस मौके पर पहुंची तब तक मारपीट करने वाले युवक मौके से फरार हो गये। साथ ही पीड़ित पक्ष ने मारपीट करने वाले लड़कों के खिलाफ थाने में शिकायत की। शिवा ने बताया कि कुछ युवक शराब के नशे में डोसा खाने आए थे, उन्हें डोसा खिलाया गया, साथ ही घर के लिए पैक भी किया, मगर कुछ देर बाद वही लड़के खराब डोसा की शिकायत लेकर पहुंचे, जिस पर उसके साथ मारपीट की गई। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी और वीडियो के आधार पर युवकों का पता लगाने का कर प्रयास कर रही है।

कोंच में बुंदेलखंड स्तरीय-राट दंगल का किया आयोजन

धनुताल के मेला ग्राउंड में हरियाणा-दिल्ली और मेरठ क्षेत्र के पहलवानों ने दिखाया दम

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन के कोंच नगर में कजरी मेले के दौरान ऐतिहासिक धनु तालाब पर विशाल दंगल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें देश प्रदेश के तमाम क्षेत्रों के महिला तथा पुरुष पहलवान कुश्ती लड़ने आये। जिन्हें देखने के किये लोगों का हुजूम उमड़ा रहा। बुंदेलखंड के साथ, बरेली कानपुर मेरठ, एयर हरियाणा से आये पहलवान ने जबरदस्त कुश्ती के दांव दिखाकर माहौल को गर्म बनाए रखा। यह विराट दंगल कुश्ती का आयोजन कोंच नगर पालिका के सभासद दंगल सिंह यादव की देखरेख में धनुताल के मेला ग्राउंड में किया गया। बरसों बाद कोंच नगर में कजरी मेले के अवसर पर बुंदेलखंड स्तरीय विराट दंगल का आयोजन होने के कारण आस पास के लोग पहुंचे। इस मेले का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन तथा नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने किया। जिसमें बुंदेलखंड केसरी के नाम से विख्यात भरसूड़ा के पहलवान चरण सिंह, मेरठ की महिला पहलवान दीक्षा, बरेली की महिला पहलवान नेहा, कानपुर के पहलवान कल्लू, हरियाणा के पहलवान सुखविंदर और दिल्ली के विजेंद्र सिंह ने भाग लिया। जिन्होंने अपने दांव से लोगों को रोमांचित किया, जिन्हें देखने के लिए दूर दराज से लोग आये हुए थे। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी ने कहा कि बुंदेलखंड की शान कुश्ती रही है। मगर यह धीरे–धीरे विलुप्त होने लगी है। लेकिन वह कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास करेंगे। साथ ही सरकार से अनुरोध करेंगे कि उत्तर प्रदेश में कुश्ती को बढ़ावा दिया जाए। जिससे इस इलाके में फिर से नामी ग्रामीण पहलवान बने और देश का प्रतिनिधित्व करके विश्व में देश का नाम रोशन करें।इस बुंदेलखंड स्तरीय विशाल दंगल के संरक्षक माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि एक बार फिर जालौन में विशाल दंगल की शुरुआत की जा रही है।

एडीए खैर रोड पर बसाएगा आवासीय कालोनी,50 एकड़ जमीन पर विकसित होगा प्रोजेक्ट

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) खैर रोड पर एक नई आवासीय कालोनी बसाएगा। जिसके लिए सुजानपुर गांव में एडीए 50 एकड़ जमीन खरीदेगा, जिसके बाद आवासीय कालोनी विकसित की जाएगी। विकास प्राधिकरण की ओर से यह सारा प्रोजेक्ट तैयार किया जा चुका है और इसी डीपीआर तैयार की जा रही है।

डीपीआर तैयार होने के बाद इसे शासन को भेज दिया जाएगा। सरकार की लैंड पूलिंग योजना के तहत इस कालोनी को बसाया जाएगा। यह कालोनी डिफेंस कॉरीडोर अलीगढ़ नोड, जेवर एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक पार्क और खैर तहसील में बन रहे राजा महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी के नजदीक बसेगी। जिससे यहां निवेश करने वाले लोगों को कई तरह के लाभ मिल सकेंगे।

खैर रोड पर यमुना विकास प्राधिकरण से महज 4–5 किलोमीटर की दूसरी पर तैयार होने वाली इस कालोनी को बसाने के लिए लगभग 325 हेक्टेयर जमीन की जरूरत होगी। जिसके चलते एडीए सुजानपुर, जतनपुर, जिरौली डोर, रुस्तमपुर अखन, अटलपुर, ल्हौसरा समेत कई गांवों में किसानों की जमीन अधिग्रहित करेगा। किसानों की जमीनें अधिग्रहित करने के लिए किसानों को सर्किल रेट से चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। भूमि अधिग्रहण में लगभग 700 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं भूमि मिलने के बाद कालोनी को बसाने में लगभग 80–100 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए शासन से लगभग 100 करोड़ रुपए स्वीकृत भी हो चुके हैं। जिसके बाद विकास प्राधिकरण तेजी से काम शुरू कर दिया है। योजना के तहत आवासीय और व्यवसायिक प्लाट तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही इसमें ईडब्ल्यूएस और व्यवसायिक प्लाट भी लोगों के लिए उपलब्ध होंगे। इस आवासीय कालोनी में 15 प्रतिशत हिस्सा पार्क, हरियाली और तालाब बनाने के लिए आरक्षित किया गया है, जिससे कि यहां बसने वाले लोगों को बेहतर माहौल उपलब्ध कराया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रोजेक्ट सरकार की लैंड पुलिस नीति के तहत तैयार किया जाएगा। सरकार कालोनियों को बढ़ावा देने के लिए यह योजना चला रही है, इसमें जमीन के मालिक स्वेच्छा से औद्योगिक विकास के लिए अपनी जमीन देते हैं। कालोनी का विकास होने के बाद 25 प्रतिशत जमीन भू स्वामी को वापस कर दी जाती है। जिसका इस्तेमाल वह खुद भी कर सकते हैं। इसके साथ वह इसे दूसरे को हस्तांतरित या बेंच भी सकते हैं। खैर और जट्टारी के बीच गांव सुजानपुर में प्रस्तावित इस प्रोजेक्ट में 50 एकड़ भूमि में कालोनी बसाई जाएगी। इसके लिए तहसील से एडीए को सारी रिपोर्ट मिल गई है और जल्दी ही किसानों से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। बोर्ड में इस प्रस्ताव पर मुहर लग चुकी है। एडीए वीसी अतुल वत्स ने बताया कि लैंड पुलिंग योजना के तहत इस कालोनी का विकास किया जाएगा। इसके लिए तहसील की रिपोर्ट मिल चुकी है और तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। इसमें आवासीय और औद्योगिक प्लाट होंगे। जिसमें अलीगढ़ के साथ ही जेवर और टप्पल के लोग भी निवेश करके प्लाट खरीद सकेंगे। इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द लांच करने की तैयारी है।

भाजपा धर्म का राजनैतिक लाभ लेने के लिए दुरूपयोग करती आ रही : प्रमोद तिवारी

लखनऊ(संवाददाता)। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य सभा ने अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के उदघाटन के कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिये जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि किसी भी मंदिर का उदघाटन सनातन धर्म की आस्था तथा विश्वास से जुड़ा रहता है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर से हिन्दू समुदाय की पवित्र आस्था जुडी हुई है। अतः वहां भगवान श्रीराम के मंदिर का उदघाटन भी सनातन धर्म की परम्परा के अनुसार वैदिक रीति रिवाज से शुद्ध वातावरण में किया जाना चाहिए। श्री तिवारी ने कहा है कि वैदिक परम्पराओं के अनुसार मंदिर के उदघाटन के कार्यक्रम का सम्पूर्ण दारोमदार वहां पूजा करने वाले पुजारियों, पण्डितों और ब्राहम्णों पर छोड़ा जाना चाहिए। वैदिक परम्परा के तहत होने वाले उदघाटन कार्यक्रम में कोई भी शामिल हो यह विषय नहीं है। श्रीराम मंदिर का उदघाटन किसी राजनैतिक दल के नेता से कराने पर सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में गलत इसका संदेश जाएगा। श्री तिवारी ने कहा कि यदि मंदिर के उदघाटन के कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिया जाता है तो इसका उदघाटन देश की राष्ट्रपति द्वारा कराया जाना चाहिए। उन्होनें उदाहरण देते हुए कहा कि सोमनाथ के भव्य मंदिर का भी उदघाटन वर्ष 1951 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से कराया गया था, यही परम्परा अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के उदघाटन कार्यक्रम का भी सर्वमान्य स्वरूप जनता के सामने ले आएगा। श्री तिवारी ने भा.ज.पा. के प्रधानमंत्री को श्रीराम मंदिर के उदघाटन के लिए आमंत्रण पर स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा शुरू से ही धर्म का राजनैतिक लाभ लेने के लिए दुरूपयोग करती आ रही है। उन्होंने केन्द्र सरकार के वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर गठित सरकारी कमेटी से लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता श्री अधीर रंजन चौधरी जी के अलग होने के निर्णय को सही ठहराते हुये कहा कि इस कमेटी का जो स्वरूप सामने आया है वह लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने वाला है। उन्होने भाजपा पर तंज कसते हुये कहा कि दरअसल वन नेशन वन इलेक्शन की उसकी सोच चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की तरह वन पार्टी वन लीडर वन नेशन की देश पर तानाशाही थोपने का एक और घातक प्रयास है।

समुदाय विशेष पर युवक ने की थी टिप्पणी, भाजपा नेता की शिकायत पर हुई कार्रवाई

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ के अकराबाद थाना क्षेत्र में फेसबुक पर आपत्ति जनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक समुदाय विशेष का है और उसने फेसबुक पर टिप्पणी की थी और देश और यहां पर रहने वाले लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक बात लिखी थी। जिसके बाद भाजपा नेता विनय वार्ष्णेय उर्फ बिट्ण्टू ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज किया है और तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। भाजपा नेता विनय वार्ष्णेय ने पुलिस को बताया कि अकराबाद थाना क्षेत्र के पिलखना निवासी एक युवक साबिर अली ने फेसबुक पर अमर्यादित टिप्पणी की है। उसने फेसबुक पर लिखा है कि 'भारत नमक पैदा करने पर नंबर दो पर है, जबकि नमक हराम पैदा करने पर यह नंबर एक पर है'। युवक की विवादित टिप्पणी के बाद यह मुद्दा जमकर चर्चित हो गया ओर भाजपा नेता ने इस मामले में पिलखना पुलिस चौकी में तहरीर दी। तहरीर देने के बाद आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। लोगों का आक्रोश देखते हुए पुलिस ने शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक साबिर अली को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही युवक के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। अकराबाद एसओ अवधेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और युवक से पूछताछ की जा रही है। जांच के आधार पर युवक के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मंदबुद्धि किशोरी से खेत में दुष्कर्म,दो हिरासत में

अलीगढ़(संवाददाता)। जिले में मंदबुद्धि किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। परिजनों ने गांव के ही दो युवकों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। इसके साथ ही थाने में शिकायत की है। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। परिजनों ने पुलिस को बताया रविवार दोपहर पिता खेत में काम करने गए थे। किशोरी की मां भी घर के काम से बाहर गई थी। तभी घर में बेटी को अकेला पर युवक घुस गए। बेटी को बहला–फुसलाकर खेत में ले गए। जहां बारी–बारी से दुष्कर्म किया। इसके बाद किशोरी को वापस घर लाकर छोड़ गए। शाम को घर लौटी मां को बेटी ने रो–रोकर घटना बताई। बेटी ने कहा खेत में ले जाकर गंदी हरकत की है। बेटी की बात सुनकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और उन्होंने पुलिस से मामले की शिकायत की। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को थाने ले आई। वहीं घटना के बाद दोनों पक्षों से बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंच गए और देर रात तक हंगामा चलता रहा। गांव के लोग दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे, वहीं आरोपियों के परिजन उन्हें निर्दोष बता रहे थे। हालांकि पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस दोनों आरोपी किशोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर रही है। इसके साथ ही किशोरी का मेडिकल परीक्षण भी सोमवार को कराया। देर रात तक थाने में मौजूद ग्रामीणों को पुलिस ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए। इंस्पेक्टर लोधा ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। किशोरी का मेडिकल कराया जाएगा, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन में महिला हेड कांस्टेबल पर जानलेवा हमला, घायल को देखने केजीएमयू पहुचे डीजीपी

लखनऊ(संवाददाता)। सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला कांस्टेबल खून से लथपथ मिली थी। इस मामले में अब उत्तर प्रदेश के कळच विजय कुमार घायल महिला कांस्टेबल से मिलने के लिए केजीएमयू ट्रामा सेंटर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जैसे ही महिला कास्टेंबल बोलने की स्थित में आएगी तो उससे बातचीत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी विजय कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सुमित्रा पटेल जब 29 अगस्त की रात को अपनी ड्यूटी पूरी करके घर जा रही थी तो बीच ट्रेन में उसके साथ मारपीट हुई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया था। इसके बाद महिला कांस्टेबल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे केजीएमयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां अब उसकी मैडीकल स्थित अच्छी है और लगातार इम्परूपमैंट हो रही है। उन्होंने कहा कि जैसे ही महिला कांस्टेबल बोलने की स्थित में आएगी तो उससे बातचीत की जाएगी। इसके अतिरिक्त घटनास्थल से जो सबूत मिले है, उनकी जांच कराई जा रही है। फिलहाल महिला कांस्टेबल के साथ किसी भी प्रकार के सेक्सुअल असाल्ट की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश प्राप्त हुए है उनकी पुलिस और रेलवे द्वारा पालना की जाएगी। बता दें कि बीती 30 अगस्त की सुबह सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला कांस्टेबल खून से लथपथ मिली थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची अयोध्या ळत्च ने महिला कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि महिला के चेहरे पर 15 से ज्यादा टांके लगे हैं। ज्यादा खून बहने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल, उसका इलाज लखनऊ के केजीएमयू में चल रहा है। वहीं, किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो वायरल होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खुद इस मामले पर स्वतरू संज्ञान लिया था। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मामले को लेकर जवाब मांगा था। इसी कड़ी में आज दोपहर एक बार फिर इस मामले में सुनवाई हुई। बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट जांच से संतुष्ट है।

बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, विश्वगुरु बनने जा रहा है भारत : राज्यपाल

बस्ती(संवाददाता)। सूबे की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत विश्वगुरू बनने की राह में तेजी से अग्रसर है। भारत जी – 20 का प्रतिनिधित्व करने जा रहा है। इसरो के चंद्रयान अभियान और आदित्य वन के बाद भारत की ताकत को पूरी दुनिया देख चुकी है। जिले के आदर्श ग्राम लेदवा में भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आठ माह के बच्चे के दांत निकलते समय बच्चों को होम्योपैथिक दवा दें तो वह बीमार नहीं होंगे। यही स्थिति 35 वर्ष की महिला के लिए है। माहवारी पर उन्हें भी होम्योपैथिक दवा दें। हेल्थ कैंप में कराएं जांच कैंसर से बचाव होता है। 2000 का एसपीजी इंजेक्शन 9 से 14 वर्ष की बेटी को जरुर लगवाएं।

जिले की 144 सरकारी गाड़ियां हो गई कबाड़, पंजीयन भी निरस्त

बस्ती(संवाददाता)। जिले की 144 सरकारी गाड़ियों को कबाड़ घोषित कर नीलाम करने की समय सीमा पूरी होने में अब सिर्फ 30 सितंबर तक का समय रह गया है। इन्हें कबाड़ घोषित कर नष्ट करने के लिए नीलाम कर दिया जाएगा। उसके बाद नई गाड़ियों का इंतजाम कर सरकारी तंत्र को चाक–चौबंद किया जाएगा। जिले में कुल 453 वाहन राजकीय कार्य में पंजीकृत किए गए थे। कबाड़ नीति घोषित होने के बाद जब परिवहन विभाग ने ब्योरा इकट्ठा किया तो कुल 144 वाहन ऐसे पाए गए, जो 15 वर्ष की आयु सीमा पूरी होने के बावजूद विभागों में संचालित हो रहे हैं। यही नहीं इनमें कुछ ऐसे भी वाहन हैं, जो 35 से 40 वर्ष की उम्र पूरी होने के बावजूद सेवा दे रहे हैं। इनमें सबसे अधिक पुलिस के 23 व स्वास्थ्य विभाग के 21 वाहन हैं। परिवहन विभाग के आरआई संजय दास के अनुसार इन्हें चिन्हित कर 1 अप्रैल 2023 से इनका संचालन रोक दिया गया है और पंजीयन निरस्त किया जा चुका है। अगर ऐसे वाहन ऑनरोड पाए जाते हैं तो उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बिना पंजीयन वाहन का संचालन दंडनीय अपराध माना जाता है।एआरटीओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि जिले के कुल 32 विभागों, निगमों व सरकारी संस्थाओं के 144 वाहन आयु सीमा पूरी कर चुके हैं। इनमें कार, ट्रक, ट्रैक्टर व अन्य भारी वाहनों के अलावा पुरानी बाइक भी कबाड़ घोषित हो चुकी है और उनका पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। सभी विभागाध्यक्ष को ऐसे वाहनों का संचालन कदापि नहीं होने देना चाहिए और एमएसटीसी की लॉगिन पर जाकर वाहनों की नीलामी के लिए आवेदन करना चाहिए। उसके बाद नीलामी प्राप्त कर्ता को वाहन सुपुर्द कर सीओडी यानी कि सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट प्राप्त कर लेना चाहिए ताकि नीलामी का मूल्य संबंधित विभाग के खाते में हस्तांतरित करने में आसानी हो सके।

अहरा रेलवे अंडरपास के नीचे भरा बारिश का पानी

बस्ती(संवाददाता)। बनकटी मुंडेरवा मार्ग पर अहरा में रेलवे अंडरपास का निर्माण कराया गया है। इन दिनों अंडरपास के नीचे बारिश का पानी भरा है। जिससे आने–जाने वाले लोग पानी में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सबसे अधिक समस्या अंडर पास से होकर गुजरने वाले स्कूली बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं को हो रही है। मुंडेरवा मार्ग के अहरा में रेलवे का अंडरपास का निर्माण एक साल पहले कराया गया है। निर्माण में लाखों रुपये खर्च कर दिए गए। लेकिन पानी निकासी की व्यवस्था नहीं बनाई गई। ऐसे में बारिश के बाद हर बार यहां अधिक मात्रा में पानी भर जाता है। यदि निर्माण के समय ही ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया होता तो शायद बारिश का पानी न भरता। अरुण कुमार पांडेय, अनिल सिंह ने बताया कि बारिश के बाद यहां पानी भर जाता है, जो महीनेभर तक नहीं सूखता है। आने–जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बीडीओ केदारनाथ कुशवाहा ने बताया कि रेलवे के अधिकारियों को पत्र भेजकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है।

भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह बोले, देश को लूटने के लिए बनाया गया है विपक्षी गठबंधन इंडिया

बहराइच(संवाददाता)। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया देश के लोगों को लूटने के लिए बनाया गया है। यह चुनाव बाद बिखर जाएगा। विपक्ष का इंडिया गठबंधन देश के लोगों को लूटने के लिए बनाया गया गठबंधन है। गठबंधन के घटक दल सांप, बिच्छू, नेवला और कबूतर की तरह है। इंडिया गठबंधन से देश का कोई भला नहीं होने वाला है। यह बातें कैसरगंज लोकसभा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को एक उद्घाटन कार्यक्रम में पंहुचकर पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही।शहर के लखनऊ रोड स्थित एक प्रतिष्ठान के उद्घाटन के दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए सांसद सिंह ने इंडिया गठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता को बरगलाने के लिए इंडिया गठबंधन बनाया गया है। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि जैसे बरसात के मौसम में सांप, बिच्छू, मोर, नेवला व कबूतर सुरक्षित स्थान की तलाश करते हैं। ठीक इसी तरह इंडिया गठबंधन के लोग हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन अपना नेता क्यों नहीं घोषित करता है कि इसमें कौन संयोजक होगा, कौन प्रधानमंत्री। यह देश को धोखा देने लिए बनाया गया गठबंधन है। यह चलने वाला नहीं हैं। चुनाव के बाद भरभरा कर गिर जाएगा। एक नेशन व एक चुनाव के मुद्दे पर सांसद ने कहा कि अभी कमेटी बनाई गई है।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया बोलीं, एनडीए प्रत्याशी के सामने ताश के पत्ते की तरह बिखर जाएगा इंडिया गठबंधन

बहराइच पहुंची केन्द्रीय राज्यमंत्री व अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यह गठबंधन एनडीए के सामने बिखर जाएगा। एनडीए गठबंधन के सामने इंडिया गठबंधन कहीं भी टिकने वाला नहीं है। एनडीए प्रत्याशी के सामने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएंगे। इंडिया गठबंधन ज्यादा जोगी मठ उजाड़ वाली कहावत को चरितार्थ करता है। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते नौ सालों से देश प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को बदलते देखा है। नौ सालों में एक नए भारत के निर्माण की जनता साक्षी बनी है।

कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं किया प्रदर्शन,वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में राज्यपाल को ज्ञापन

बहराइच(संवाददाता)। हापुड़ में वकीलों पर पुलिस द्वारा किए गए बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज की घटना से गुस्साए वकीलों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान वकीलों ने जिला अधिवक्ता संघ की अगुवाई में जमकर नारेबाजी की। धरने के बाद संघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश के राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपकर घटना में दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। हापुड़ में निहत्थे वकीलों पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज के विरोध में दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता कचेहरी के परिसर में एकत्रित हुए। यहां से सभी ने जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गया प्रसाद मिश्र की अगुवाई में जुलूस निकालकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट के परिसर में पहुंचे। यहां गुस्साए वकीलों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने को संबोधित करते हुए संघ के महामंत्री पुष्पांजलि नाथ मिश्र ने कहा कि हापुड़ में निहत्थे वकीलों पर हापुड़ के स्थानीय प्रशासन की शह पर पुलिस ने अपराधियों की भांति बेरहमी के साथ लाठी चार्ज कर पुलिस की वर्दी को दागदार किया है। उन्होंने कहा कि लाठी चार्ज की घटना में काफी संख्या में वकील घायल हुए हैं। घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। महामंत्री ने कहा कि हापुड़ में वकील साथियों पर पुलिस द्वारा की गई बर्बरता के मामले में प्रदेश का अधिवक्ता समाज किसी भी कीमत पर चुप नहीं बैठेगा। अगर शासन स्तर पर शीघ्र ही हापुड़ प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो अधिवक्ता समाज बार काउंसिल के निर्देश पर आंदोलन शुरू कर देगा। धरने के दौरान अजय कुमार मिश्रा, धनुषधारी, आलोक शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, रमेशचंद्र तिवारी, रमन कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार, मुन्नूलाल मिश्र, रामछबबीले शुक्ला, कुवंर बहादुर सिंह, महेंद्र पाल श्रीवास्तव, कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, मोहन मुरारी गौड़, शंभूनाथ पाठक, चंद्रवीर सिंह, राजकुमार सिंह, श्रवण कुमार निगम, दिनेश तिवारी, पंकज मिश्रा, आनंद सिंह सेंगर, कर्मवीर सिंह, सुधांशु अवस्थी, युगुल किशोर त्रिपाठी, काशीनाथ शुक्ला, दिनेश जायसवाल आदि मौजूद रहे।

जापानी प्रोफेसर रिहो इसाका द्वारा एएमयू विमेंस कॉलेज में जापानी यात्रियों और भारत में उनके भोजन के अनुभवों पर व्याख्यान आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के क्षेत्रीय अध्ययन विभाग की प्रोफेसर रिहो इसाका ने एएमयू में चल रहे जी20 समारोह के हिस्से के रूप में, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विमेंस कॉलेज में 'औपनिवेशिक भारत में जापानी सैलानियों की यात्रा और उनके भोजन के अनुभवः बीसवीं सदी के प्रारंभिक काल के एशिया में ज्ञान परिसंचरण की शुरुआत' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन की मदद से उन्होंने उन तरीकों पर प्रकाश डाला जिनसे बीसवीं सदी की शुरुआत में जापानी बुद्धिजीवियों ने अपने भोजन के अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हुए औपनिवेशिक भारत में यात्रा की थी। अपने अध्ययन में जिन प्राथमिक स्रोतों का उन्होंने प्रयोग किया उनमें 1920 और 30 के दशक में जापानी बुद्धिजीवियों द्वारा लिखे गए यात्रा वृतांत शामिल थे। उन्होंने व्याख्यान में इस बात को भी रेखांकित किया कि जापानी यात्रियों को ये जानकारी कैसे मिली कि भारत में क्या और कहां खाना चाहिए। उन्होंने यात्रा के दौरान उनके खाने के अलग–अलग अनुभवों के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

उनके व्याख्यान में जापानियों के भोजन, भोजन सुविधाओं और खाने के माध्यम से क्षेत्रीय लोगों के साथ विचारों के आदान प्रदान के विवरण को भी बारीकी से जांचा और परखा गया है, जो उपनिवेशवाद के प्रभाव को गहराई से दर्शाता है। उनके आख्यानों से यह भी पता चला कि कैसे इन यात्रियों ने स्थानीय समाजों की आहार संबंधी प्रथाओं को अपने स्वयं के साथ तुलना करके समझा और उन्हें भारत में अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाओं के अपने ज्ञान से जोड़ा। अपने अध्यक्षीय भाषण में, सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन, प्रोफेसर मिर्जा असमर बेग ने एक महत्वपूर्ण रूपरेखा विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके माध्यम से जी20 को इसके गुणों और दोषों दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए देखा जाना चाहिए। एएमयू के जनसंचार विभाग के प्रोफेसर शाफे किदवई ने घरेलू स्थान, विशेष रूप से रसोई के भीतर भोजन और दावत के मुद्दों पर गौर करने पर बात की, जो विभिन्न भोजन प्रथाओं और शिष्टाचार का संकेतक होता है।इससे पूर्व, अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए, विमेंस कॉलेज की प्राचार्य, प्रो. नईमा खातून ने जी20 मंच और इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और जी20 की थीम, 'वसुधैव कुटुंबकम' या 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि कैसे प्रोफेसर इसाका के व्याख्यान ने विविधता में एकता की सर्वोच्च शक्ति का संकेत देकर इस विषय को प्रतिबिंबित किया। डॉ. शिवांगिनी टंडन ने प्रो. रिहो इसाका का परिचय दिया और बातचीत की मुख्य विशेषताओं को संक्षेप में रेखांकित किया, जबकि डॉ. लकी खान ने अध्यक्ष, प्रो. मिर्जा असमर बेग का परिचय दिया। डॉ. बुशरा हुसैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया और इतिहास की बीए अंतिम वर्ष की छात्रा आमना आसिम ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अमुवि कुलपति द्वारा मौलाना आजाद पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मौलाना आजाद पुस्तकालय के मैदान में कुलपति प्रोफेसर मुहम्मद गुलरेज द्वारा दो–दिवसीय जी–20 पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी में देश भर से 48 प्रकाशकों एवं पुस्तक विक्रेताओं ने स्टालों को लगाया। जिसमें छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने पुस्तक प्रेमियों ने अपनी पसंदीदा पुस्तकों का चयन किया। पुस्तक प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों में प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के महत्वपूर्ण प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया। जहाँ विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र, शोधार्थी और शिक्षकों ने अपनी रुचि के विषयों की किताबें को देखने और खरीदने के लिए आए। इस प्रदर्शनी में साहित्य और कथा–साहित्य संबंधित उपन्यास, कहानियों और कविताओं का अपार संग्रह है, जिसमें भारतीय और विदेशी लेखकों का काम शामिल है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उन्नत वैज्ञानिक अविष्कारों, तकनीकी विस्तारों और विज्ञान के नवीनतम दिशानिर्देशों पर आधारित पुस्तकें शामिल हैं। ऐतिहासिक और सामाजिक अध्ययन की दृष्टि से विभिन्न राष्ट्रों और क्षेत्रों की ऐतिहासिक घटनाओं, सामाजिक चुनौतियों और सांस्कृतिक मान्यताओं पर आधारित पुस्तकें मौजूद हैं। वहीं कला और संगीत की बात की जाए तो भव्य कला, चित्रकला, संगीत, नाटक और अन्य कला रंगों से जुड़ी पुस्तकें को रखा गया है। स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता विषय में योग, मेडिटेशन, आयुर्वेद और दूसरी आध्यात्मिक अभिवृद्धि पर आधारित पुस्तकें आकर्षण का केंद्र बनी हैं। कुलपति प्रो मुहम्मद गुलरेज ने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण में किताबों का सबसे अधिक महत्व होता है और विज्ञान के अनुसार किताबें पढ़ने से मन और स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।

विश्वविद्यालय की पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो निशात फातिमा ने बताया, पुस्तक प्रदर्शनी का उद्देश्य पाठक और पुस्तक को एक मंच पर लाना था। इस तरह के आयोजन छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों द्वारा अच्छी पुस्तकों के सीधे चयन में मददगार होते है।

जानवर चराने को लेकर भिड़े दो समुदाय

बहराइच(संवाददाता)। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र में मटेरा कला गांव में सूअर चराने को लेकर दो समुदायों के लोग आमने–सामने आ गए। इस दौरान दोनों समुदायों के बीच जमकर लाठी डंडे चले। मारपीट के दौरान समुदाय विशेष के लोगों की पिटाई से दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती करवाया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।